

संहार मुद्रा स्त्री. (तत्.) तांत्रिक पूजन में अंगों की एक प्रकार की स्थिति जिसे विसर्जन मुद्रा भी कहते हैं।

संहारिक वि. (तत्.) 1. संहार करने वाला, संहारक, संहारकर्ता 2. संहार संबंधी, संहार का, संहारी, नाशकर्ता।

संहार्य वि. (तत्.) 1. संग्रह करने योग्य, एकत्र करने योग्य, समेटने या बटोरने योग्य 2. संहार, वध के योग्य, जिसका संहार किया जाना हो 3. जो अन्यत्र ले जाया जा सकता हो या ले जाया जाता हो 4. परिहार्य, जिसका परिहार, निवारण हो सकता है।

संहिता स्त्री. (तत्.) 1. युग्मन, एक में मिले होने की अवस्था या भाव मेल, संयोग 2. संकलन, संग्रह, एक नया रूप जो बहुत सी चीखों/नियमों, विधियों को एक साथ रखने पर प्राप्त हो 3. ऐसा ग्रंथ या पाठ जो परंपरागत रूप से चला आ रहा हो 4. वेदों का वह मंत्र संग्रह (ब्राह्मण अंग से भिन्न) जिसके पद पाठ आदि का क्रम निश्चित है और जिसमें स्तोत्र, आशीर्वादात्मक सूक्त, यज्ञादि से संबंधित मंत्र, अरिष्ट निवारक शांति पाठ, प्रार्थनाएँ शामिल हैं 5. सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत निर्धारित नियमों, विधियों आदि का संग्रह **जैसे-** भारतीय दण्ड संहिता 6. व्याकरण में अक्षरों की होने वाली पारस्परिक संधि 7. ब्रह्म या नियंता शक्ति जो समस्त विश्व को धारण किये हो और नियंत्रित करती हो।

संहिताकरण पुं. (तत्.) 1. नियमों, कानूनों आदि को व्यवस्थित रूप देने की क्रिया या भाव 2. किसी विषय को संहिता के रूप में तैयार करना, संहिता का रूप देना।

संहिति स्त्री. (तत्.) 1. संश्लेषण, संहित होने की अवस्था या भाव 2. जुड़ाव, मिलाव 3. एकत्रित, संग्रहीत होने की क्रिया, भाव।

संहत वि. (तत्.) 1. एकत्रित, समेटा हुआ 2. नष्ट, ध्वस्त, बर्बाद 3. पूरा किया हुआ, संपन्न, समाप्त 4. दूर किया या रोका हुआ, निवारित।

संहति स्त्री. (तत्.) 1. एकत्र करने, बटोरने, समेटने की क्रिया या भाव, संग्रह 2. प्रलय, नाश, अंत, समाप्ति 3. परिहार, रोक 4. लूट खसोट, हरण।

संहृष्ट वि. (तत्.) 1. रोमांचित, रोम खड़े होने की स्थिति, भय या प्रसन्नता से रोयें खड़े होने की स्थिति 2. पुलकित, प्रसन्न।

सँजोई वि. (देश.) साथ में, के साथ।

सँजोगिनी स्त्री. (देश.) 1. साथ रहने वाली महिला सहवासिनी, साथिन, सहेली 2. जो वियोगिनी न हो, संयोगिनी।

सँजोगी पुं. (देश.) 1. साथ रहने वाला पुरुष, साथी सहवासी 2. जो वियोगी न हो, संयोगी 3. ऐसा वैष्णव योगी जो गृहस्थ बन गया हो।

सँजोना क्रि. (देश.) 1. सजाना, शोभायमान बनाना, सुशोभित करना, सँवारना 2. संचित करना, जमा करना, इकट्ठा करना, जमा करना।

सँजोवना क्रि. (देश.) इकट्ठा करना, जमा करना जोड़ना, संचित करना, सँजोना।

सँजोवल वि. (देश.) 1. सजा-सँबरा हुआ, सुसज्जित 2. आवश्यक वस्तुओं से लैस 3. सैनिक सामग्री वाला 4. सावधान।

सँजोवा पुं. (देश.) 1. जोड़ी गई धन-संपत्ति, जमा राशि 2. साज-सज्जा, अलंकार, सजावट 3. लोगों का एकत्रित समूह।

सँजक वि. (तत्.) नामवाला, नामक अभिहित।

सँडसा पुं. (देश.) तप्त वस्तु पकड़ने के लिए लोहे से निर्मित बड़ा चिमटा, एक प्रकार मुख्य रूप से गड़िया लोहारों के उपयोग का एक उपकरण अथवा औजार।

सँपेरा पुं. (तद्.) साँपों को पकड़ कर पालने का और उनका तमाशा दिखाने का काम करने वाला, सपेरा, मदारी।

सँपोला पुं. (तद्.) साँप का बच्चा।

सँभलना क्रि. (देश.) 1. किसी बोज़ आदि का रोकना या किसी कर्तव्य आदि का निर्वाह